आवधिक पाठ्यक्रम

(2019-20)

कक्षा- 7 (निष्ठा समूह) **विषय -हिंदी**

प्रथम सत्र (अप्रैल, 2019 से सितम्बर, 2019)

पाठ सं.	पाठ/विधा का नाम/लेखक	अधिगम-बिंदु	**अधिगम उद्देश्य**
पाठ सं. .1	हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता) शिव मंगल सिंह 'सुमन'	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ,भावार्थ , प्रश्नोत्तर पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे, - प्राकृतिक परिवेश, जीव-जंतु के प्रति संवेदनशील होंगे, - स्वतंत्रता के महत्त्व को समझने का प्रयास करेंगे, - कल्पनाशीलता का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
पाठ सं. 2.	दादी माँ (कहानी) शिवप्रसाद सिंह	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ,भावार्थ , प्रश्नोत्तर पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कहानी विधा से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - परिवार में दादा- दादी, नाना- नानी आदि बुजुर्गों के महत्त्व को अपने संदर्भ में अनुभव कर सकेंगे, - स्नेह और ममता की मूर्ति के रूप में दादी/नानी बच्चों के लिए किस प्रकार अभयदान की स्रोत होती हैं, इस तथ्य से अवगत हो सकेंगे, - पारिवारिक रहन-सहन परम्परा, - भावों- विचारों के आपसी आदान- प्रदान में समर्थ होगें, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग

			करने में समर्थ होंगे । - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ सं. 3.	हिमालय की बेटियाँ (निबंध) नागार्जुन	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ,भावार्थ , प्रश्नोत्तर पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - इस ज्ञान-वर्धक पाठ के माध्यम से हिमालय से निकलने वाले विभिन्न नदियों के बारे में जान सकेंगे, - भौगोलिक रूप से छात्र विभिन्न जानकारियों को आपस में साझा कर पायेगे, - तर्क कौशल एवं वैचारिकता का विकास होगा, - पर्वत के रहन सहन तथा आचार विचार के बारे जान सकेगे, - जलवायु के विविध पक्षों की जानकारी कर सकेगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका - भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - नए नए शब्दों से परिचित होगे, - अभ्यास प्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ सं. 4	कठपुतली (कविता) भवानी प्रसाद मिश्र	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे, - स्वतंत्रता के महत्त्व को समझने का प्रयास करेंगे,, - कल्पनाशीलता का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे।

पाठ सं. 7	पापा खो गए (मराठी नाटक) विजय तेंदुलकर	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'नाटक' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा से परिचित होंगे, - एकांकी/ लघुनाटिका शब्द से परिचित होंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - नाटक के विभिन्न तत्व यथा पात्र, संवाद, घटनाक्रम आदि से परिचित होंगे, - संवाद के माध्यम से वाचन कौशल को समृद्ध कर सकेंगे, - अपनी कल्पनाशक्ति का विस्तार कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ सं. 8	शाम एक किसान (कविता) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, - शाम के ग्रामीण प्राकृतिक परिवेश की कल्पना करेंगे, - किसान के शाम के क्रियाकलापों से परिचित होंगे, - कविता में प्रयुक्त प्रतीकों के संदर्भगत अर्थ के बारे में जान सकेंगे, - ग्रामीण जीवन के परिवेश से परिचित होंगे, - कविता के द्वारा बिम्ब बनने का अनुभव कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ सं. 9	चिड़िया की बच्ची (कहानी) जैनेन्द्र कुमार	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ, भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कहानी विधा से परिचित होंगे, महान कथाकार जैनेन्द्र एवं उनके कुछ प्रमुख कृतियों से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - हमारे आसपास रहने वाले पक्षियों के बारे में जानेगे, - परिवार एवं परिवेश का महत्व समझने में सहायक होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग

			करने में समर्थ होंगे।

व्याकरणिक बिंदु

शब्दों का वाक्य प्रयोग संज्ञा और उसके भेद (पहचान एवं प्रयोग) सर्वनाम और उसके भेद (पहचान एवं प्रयोग) विशेषण और उसके भेद (पहचान एवं प्रयोग) लिंग (पहचान एवं प्रयोग) वचन (पहचान एवं प्रयोग) काल और उसके भेद (पहचान एवं प्रयोग) पर्यायवाची शब्द विलोम शब्द (पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास)	- विविध शब्दों से नए वाक्य बना सकेंगे| - वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा,सर्वनाम, विशेषण तथा उसके भेदों की पहचान कर सकेंगे एवं उनके वाक्य प्रयोग से परिचित होंगे| - लिंग की पहचान कर सकेंगे और लिंग परिवर्तन कर सकेंगे| - वचन की पहचान कर सकेंगे और वचन परिवर्तन कर सकेंगे| - काल एवं उसके भेदों की पहचान कर सकेंगे और वाक्य का काल परिवर्तन कर सकेंगे| - एक ही शब्द के विविध नामों से परिचित होकर, वाक्य में उनका उचित प्रयोग कर सकेंगे| - विपरीत अर्थ को व्यंजित करने वाले शब्दों की पहचान कर उनका वाक्य प्रयोग कर सकेंगे| - पाठान्तर्गत भाषा की बात का अभ्यास करेंगे|

नोट -परीक्षा में पहचान और प्रयोग सम्बन्धी प्रश्नों को प्राथमिकता दी जाएगी\|

रचनात्मक लेखन

1.	**पत्र लेखन** (औपचारिक एवं अनौपचारिक)**(केवल प्रारूप)** अवकाश लेने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र का प्रारूप, पुस्तकें मंगवाने हेतु पुस्तक विक्रेता को पत्र का प्रारूप एवं अन्य औपचारिक पत्रों के प्रारूप का अभ्यास, अपने मित्र/सहेली के जन्मदिन पर बधाई देने के लिए पत्र का प्रारूप एवं अन्य अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप का अभ्यास| **(उपरोक्त पत्रों के प्रारूप संकेत मात्र हैं| इस प्रकार के अन्य पत्रों के प्रारूप का अभ्यास करवाया जाए)**	- औपचारिक और अनौपचारिक पत्रों में अंतर जान सकेंगें| - औपचारिक और अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप को जान सकेंगे| - संबोधन ,विषय विस्तार एवं समापन जैसे पत्रों के अंगों का पत्र लेखन में व्यवस्थित प्रयोग कर सकेंगें| - अपने दैनिक,निजी एवं सार्वजानिक जीवन की आवश्यकताओं के हिसाब से अपनी बात उचित ढंग से उचित जगह पर रख सकेंगें|
2.	**निबंध/अनुच्छेद** विद्यार्थियों के लेखन कौशल के संवर्धन हेतु उनके स्तर को देखते हुए विविध विषयक रोचक शीर्षकों पर लेखन यथा मेरा प्रिय खेल, दिल्ली की सैर, मेरी रेल यात्रा, विद्यालय का पुस्तकालय, मेरा प्रिय मित्र, मेरा विद्यालय आदि | **दिए गए चित्र का अपने शब्दों में वर्णन|** **(उपरोक्त शीर्षक संकेत मात्र हैं | इस प्रकार के अन्य**	- अपनी रुचि एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप में अभिव्यक्त कर सकेंगें| - अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लिख सकेंगें| - अपने सहज विश्लेषण के आधार पर सम-सामयिक विषयों से सम्बंधित सामान्य विषयों पर सहजतापूर्वक अभिव्यक्ति कर सकेंगें|

	शीर्षकों का लेखन-अभ्यास करवाया जाए)	
मध्यावधि परीक्षा		

द्वितीय सत्र (अक्टूबर, 2019 से मार्च, 2020)

पाठ सं.	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार	अधिगम- संप्राप्ति	अधिगम उद्देश्य
पाठ सं.11	**रहीम के दोहे**	कविता	रहीम	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ,भावार्थ , प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, - रहीम के दोहे का अर्थ और भाव समझ सकेंगे, - दोहे में व्यक्त सीख को व्यावहारिक जीवन में अनुभव करेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त लौकिक (देशज) शब्दों से परिचित होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ सं. 12	**कंचा**	कहानी (मलयालम)	टी. पद्मनाभन	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ, भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कहानी विधा से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - बचपन में खेले गए खेलों का महत्व समझेंगे, - विलुप्त होती जा रही गलियों के खेल यथा – कंचा, गिल्ली-डंडा, छुप्पम-छुपाई, स्टापू, आईस-पाईस आदि के बारे में सुनेँगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।

पाठ सं. 15	**नीलकंठ**	रेखाचित्र	महादेवी वर्मा	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ, भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'रेखाचित्र' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - मोर पक्षी की प्रकृति और स्वभाव को जान सकेंगे, - महादेवी जी का पशु-पक्षी के प्रति लगाव को जानेंगे, - पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ सं. 16	**भोर और बरखा**	कविता	मीराबाई	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ,भावार्थ , प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, - मीराबाई के जीवन,कृष्ण के प्रति उनके असीम लगाव और समर्पण के बारे में जान सकेंगे, - बालक रुपी कृष्ण को प्रातःकाल में जगाने की प्रक्रिया के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परम्परा से अवगत होंगे, - प्रातःकाल और वर्षाऋतु के सुरम्य वातावरण की विशेषताओं से अवगत होंगे, - भारतीय ऋतुओं और महीने के हिंदी के नामों से परिचित होंगे, - भोर और बरखा जो क्रमश: प्रातःकाल और वर्षा के देशज शब्द है ,उनके प्रयोग से भाषा में व्याप्त सौन्दर्य की अनुभूति कर सकेंगे, - देशज शब्दों की पहचान करने में समर्थ हो सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।

पाठ सं. 17	**वीर कुँवर सिंह**	जीवनी	विभागीय	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ, भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'जीवनी' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - वीर कुँवर सिंह के जीवन, व्यक्तित्व, देशभक्ति और स्वाधीनता संग्राम में उनके योगदान को जान सकेंगे, - 1857 के स्वाधीनता संग्राम एवं उसके सेनानियों के बारे में जान सकेंगे, - राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम के विभिन्न घटनाक्रमों और उनसे जुड़े व्यक्तियों के प्रति जिज्ञासु होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ सं. 19	**आश्रम का अनुमानित व्यय**	लेखा-जोखा	मोहनदास करमचंद गाँधी	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ, भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - निबंध की विषय-वस्तु के रूप में लेखा-जोखा के अर्थ और संदर्भ से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन के माध्यम से अनुकरण वाचन में सक्षम होंगे, - गांधी जी के आश्रम के विभिन्न मदों के अनुमानित व्यय से परिचित होंगे, - गांधी जी के व्यक्तित्व और उनकी कार्यशैली से परिचित होंगे, - बजट की आवश्यकता और इसके महत्त्व से परिचित होंगे, - बजट बनाने की प्रक्रिया से अवगत होंगे, - स्वयं भी किसी कार्य हेतु अनुमानित बजट बनाने के लिए प्रेरित होंगे, - अपने परिवार के लिए आय और व्यय का

					अनुमानित आकलन कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।

व्याकरणिक बिंदु

शब्दों का वाक्य प्रयोग संज्ञा और उसके भेद (पहचान एवं प्रयोग) सर्वनाम और उसके भेद (पहचान एवं प्रयोग) विशेषण और उसके भेद (पहचान एवं प्रयोग) लिंग (पहचान एवं प्रयोग) वचन (पहचान एवं प्रयोग) काल और उसके भेद (पहचान एवं प्रयोग) पर्यायवाची शब्द विलोम शब्द (पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास)	- विविध शब्दों से नए वाक्य बना सकेंगे। - वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा,सर्वनाम, विशेषण तथा उसके भेदों की पहचान कर सकेंगे एवं उनके वाक्य प्रयोग से परिचित होंगे। - लिंग की पहचान कर सकेंगे और लिंग परिवर्तन कर सकेंगे। - वचन की पहचान कर सकेंगे और वचन परिवर्तन कर सकेंगे। - काल एवं उसके भेदों की पहचान कर सकेंगे और वाक्य का काल परिवर्तन कर सकेंगे। - एक ही शब्द के विविध नामों से परिचित होकर, वाक्य में उनका उचित प्रयोग कर सकेंगे। - विपरीत अर्थ को व्यंजित करने वाले शब्दों की पहचान कर उनका वाक्य प्रयोग कर सकेंगे। - पाठान्तर्गत भाषा की बात का अभ्यास करेंगे।

नोट -परीक्षा में पहचान और प्रयोग सम्बन्धी प्रश्नों को प्राथमिकता दी जाएगी।

रचनात्मक लेखन

1.	**पत्र लेखन** (औपचारिक एवं अनौपचारिक)**(केवल प्रारूप)** शुद्ध जल की आपूर्ति हेतु दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी को पत्र का प्रारूप एवं अन्य औपचारिक पत्रों के प्रारूप का अभ्यास, अपने छोटे भाई के जन्मदिन पर शुभकामना पत्र का प्रारूप एवं अन्य अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप का अभ्यास। **(उपरोक्त पत्रों के प्रारूप संकेत मात्र हैं। इस प्रकार के अन्य पत्रों के प्रारूप का अभ्यास करवाया जाए)**	- औपचारिक और अनौपचारिक पत्रों में अंतर जान सकेंगें। - औपचारिक और अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप को जान सकेंगे। - संबोधन ,विषय विस्तार एवं समापन जैसे पत्रों के अंगों का पत्र लेखन में व्यवस्थित प्रयोग कर सकेंगें। - अपने दैनिक,निजी एवं सार्वजानिक जीवन की आवश्यकताओं के हिसाब से अपनी बात उचित ढंग से उचित जगह पर रख सकेंगें।
2.	**निबंध/अनुच्छेद** विद्यार्थियों के लेखन कौशल के संवर्धन हेतु उनके स्तर को देखते हुए विविध विषयक रोचक शीर्षकों पर लेखन	- अपनी रुचि एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप में अभिव्यक्त कर सकेंगें। - अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लिख

	यथा सैनिक , चिड़ियाघर ,हमारा मोहल्ला , मेरी दिल्ली , मेरा प्रिय विषय ,मेरा प्रिय मित्र ,मेरा प्रिय कार्टून आदि । **दिए गए चित्र का अपने शब्दों में वर्णन।** **(उपरोक्त शीर्षक संकेत मात्र हैं । इस प्रकार के अन्य शीर्षकों का लेखन-अभ्यास करवाया जाए)**	सकेंगें। - अपने सहज विश्लेषण के आधार पर सम-सामयिक विषयों से सम्बंधित सामान्य विषयों पर सहजतापूर्वक अभिव्यक्ति कर सकेंगें।

- **अपठित/ पठित गद्यांश/ पद्यांश का कक्षा में अभ्यास**
- **द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम की पुनरावृति**
- **वार्षिक परीक्षा में प्रथम सत्र से 'दादी माँ' और 'कठपुतली' पाठ से भी प्रश्न पूछे जाएंगे।**
- ध्यातव्य है कि **वसंत भाग–2 के शेष पाठ एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक "बाल महाभारत" कक्षा-7** , अधिगम संवृद्धि (Leraning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु हैं, **मूल्यांकन में इनसे प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे ।**